INDIATVDNA.COM

https://indiatvdna.com

घर बैठे 2 लाख में शुरू करें ये राज़दार बिज़िनेस   हर महीने 1 लाख कमाएँ!

शहरीकरण की तेज़ रफ़्तार ने बिल्डरों को हल्की, टिकाऊ और पर्यावरण मित्र ईंटों की जॉब बहुत बढ़ा दी है। अगर आपके पास 100गज जमीन और 2लाख रुपये का छोटा बजट है, तो आपराख आधारित ईंट निर्माणका व्यापार शुरू कर सकते हैं और महीने में 1लाख से अधिककमाई का लक्ष्य रख सकते हैं।

बिज़िनेस की मूल बातें नीचे बुलेट पॉइंट में दी गई हैं:

>> जगह:न्यूनतम 100गज खुला क्षेत्र, प्लानेटरी या ग्रामीण इलाके भी उपयुक्त।

>> प्रारम्भिक पूँजी:लगभग 2लाख (मशीनरी, टूल्स, लाइसेंस)। कच्चे माल की लागत अलग से होगा।

>> मुख्य मशीनरी:मैन्युअल या ऑटो मेटिक ईंट प्रेस। मैन्युअल मशीन 2 3लाख, ऑटो मेटिक 10 12लाख।

>> उत्पादन क्षमता:मैन्युअल सेट अप पर 3,000 ईंट दिन, ऑटो मेटिक पर 30,000 ईंट दिन(1,000ईंट घंटा)।

>> कच्चा माल:बिजिली संयंत्र की राख (Fly Ash), सीमेंट, स्टोन डस्ट का मिश्रण (आंदाज़न 70:20:10)।

>> स्टाफ़:5 6 श्रमिक एक मशीन ऑपरेटर, दो लेबर, दो पैकेजिंग लोडिंग, एक क्वालिटी चेक।

>> प्रति ईंट कीमत: 6 7 (बिल्डर को बेचे जाने पर)। इससे मासिक राजस्व   1.8 2.1लाख, खर्च घटाकर शुद्ध लाभ 1लाख ।

>> लोन विकल्प:प्रधानमंत्री रोजगार योजना, मुख्यमंत्री युवा स्व रोजगार योजना, मुद्रा लोन (पी.आर.आई.डी.एफ़)।

>> भौगोलिक लाभ:हिमांचल उत्तराखंड जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में स्टोन डस्ट सस्ते में मिलती है, जिससे कच्चे माल की लागत घटती है।

ऑटो मेटिक मशीन की अतिरिक्त सम्भावनाएँ

>> एक घंटे में 1,000 ईंट उत्पादन   महीने में 30,000 40,000 ईंट

>> ऑटो कंट्रोल से कम श्रम लागत, उच्च एकरूपता, कम दोष दर

>> इंटरनेट आधारित ऑर्डर मैनेजमेंट से बिल्डर्स के साथ थोक डील आसान

सरकारी मदद और लोन कैसे प्राप्त करें?

>> उद्यमी पोर्टल (उद्यमी.gov.in) परआवेदन फ़ॉर्मभरें   लगभग 15 मिनट में प्रोसेस।

>> परिचालन योजना, लागत ब्योरा, और जमीन के दस्तावेज़ अपलोड करें।

>> प्रधानमंत्री रोजगार योजना के तहत व्यावसायिक ऋण की अधिकतम सीमा 5लाख, ब्याज दर 8 10%।

>> मुख्यमंत्री युवा स्व रोजगार योजना में अतिरिक्त सब्सिडी और ग्रांट मिल सकती है।

यदि आप इस मॉडल कोऑटो मेटिकमें अपग्रेड करना चाहते हैं, तो शुरुआती खर्च   12लाख हो सकता है, परन्तु मासिक लाभ 2 3गुना तक बढ़ सकता है। इसको छोटे छोटे निवेशकों के साथसहयोगकरके भी शुरू किया जा सकता है।

जनता के सवाल (FAQs)

निर्माण कार्य के लिएउद्योग आधार(Udyam Registration) अनिवार्य है औरपर्यावरण क्लियरेंस(स्थानीय पर्यावरण विभाग से) चाहिए, क्योंकि राख का उपयोग करता है। इन दस्तावेज़ों को ऑनलाइनउद्यमी.gov.inपर अपलोड किया जा सकता है।

हाँ। क्योंकि शहरी बिल्डर्सफ्लाई ऐश ईंटको हल्का और पर्यावरण मित्र मानते हैं, इसलिए इनकी डिमांड लगातार बढ़ रही है। खासकरदिल्ली एनएसटी, उत्तर प्रदेश, हरियाणाजैसे क्षेत्रों में ट्रांसपोर्ट खर्च कम है और मार्जिन ऊँचा रहता है।